Roll. No. : .....

S-2266

M.A. (II Semester) Examination, 2022-23

SANSKRIT

[Paper - I]

[महाकाव्य]

Time : 2½ Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं : खण्ड 'अ' और 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड 'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5 = 20**

अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं चार की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

1. तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
   हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि ।।
2. दुदोह गां स यज्ञाय सस्याय मघवा दिवम्।
   संपद्विनियमेनोभौ दधतुर्भुवनद्वयम् ॥
3. लोकान्तरसुखं पुण्यं तपोदानसमुद्भवम्।
   सन्ततिः शुद्धवंश्या हि परत्रेह च शर्मणे ।।
4. ईप्सितं तदवज्ञानाद्विद्धि सार्गलमात्मनः।
   प्रतिविघ्नानि हि श्रेयः पूज्य पूजाव्यतिक्रमः ॥
5. अमुष्य विद्यारसनाऽग्रनर्तकी त्रयीव नीताङ्गगुणेन विस्तरम्।
   अगाहताऽष्टदादशशतां जिगीषया नवद्वयद्वीपपृथग्जयश्रियाम् ॥
6. अधारि पद्भेषु तदङ्घ्रिणा घृणा,
   क्व तच्छयच्छायलवोऽपि पल्लवे।
   तदास्यदास्येऽपि गतोऽधिकारितां,
   न शारदः पार्विकशर्वरीश्वरः ॥
7. मनोरथेन स्वपतीकृतं नलं निशि क्व सा न स्वपती स्म पश्यति।
   अदृष्मप्यर्थमदृष्टवैभवात्करोति सुप्तिर्जनदर्शनाऽतिथिम् ॥
8. विवेश गत्वा स विलासकाननं ततः क्षणात्क्षोणिपतिर्धृतीच्छया।
   प्रवालरागच्छुरितं सुषुप्सया हरिर्घनच्छायमिवाऽम्भसांनिधिम् ॥

खण्ड 'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

4×15 = 60

9. संस्कृत महाकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
10. कालिदास की काव्यकला की विस्तृत विवेचना कीजिए।
11. 'उपमा कालिदासस्य' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।
12. रघुवंश महाकाव्य के प्रथम सर्ग के आधार पर रघुवंशी राजाओं की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
13. कालिदास कृत् रघुवंश महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।
14 महाकवि श्रीहर्ष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
15. 'नैषधं विद्वदौषधम्' की समीक्षा कीजिए।
16. 'उदिते नैषधे काव्ये, क्व माघः क्व च भारविः' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

****